सर, दूसरा प्रश्न है कि कब यह टी-पैकेज आयेगा। माननीय सदस्य को मैंने सूचित किया है, उन्हें सूचना मिली होगी। ...(व्यवधान)... सर माननीय सदस्य शायद राजस्थान से हैं, लेकिन जो सांसद बंगाल, आसाम, बिहार और अन्य प्रदेशों के हैं ...(व्यवधान)... आप यू०पी०, एम०पी० से हैं, इसलिए आपको यह सूचना नहीं मिली है। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सरला माहेश्वरी: उपसभापति जी। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: देखिये, अभी बहुत से क्वेश्चन्स बाकी हैं। ...(व्यवधान)...

श्री कमल नाथ: सर, मैंने संबंधित सदस्यों की बैठक ...(व्यवधान)... सर, मैंने माननीय सदस्यों की एक बैठक अगले दो-तीन दिन में बुलाई है।

Economic cooperation with Pakistan

*265. SHRIMATI SYEDA ANWARA TAIMUR: Will the Minister of COMMERCE AND INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether Government have proposed to implement the "Early Harvest Scheme (EHS)" for economic cooperation with Pakistan;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether representatives of both the countries have recently met to discuss the possibilities of economic cooperation; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF COMMERCE AND INDUSTRY (SHRI KAMAL NATH): (a) to (d) As a part of the Composite Dialogue, a meeting on Economic and Commercial Cooperation with Pakistan was held at Commerce Secretaries' level on 11-12 August, 2004 in Islamabad for giving a positive direction to the economic activities between the two countries. Then, in the wings of the 4th SAARC Commerce Ministers Meeting in Islamabad on 22-23 November, 2004 Commerce Ministers of India and Pakistan met to discuss a roadmap for promoting trade between the two countries. During this meeting, they agreed to set up a Joint Study Group (JSG) to be co-chaired by the Commerce Secretaries of the two countries which, among other things, would look at certain preferential trading arrangements on goods, services and investments on a fast track basis. JSG would also discuss the possibility of enhancing economic cooperation in other areas of mutual interest. The detailed terms of reference of the

JSG would be finalised after further consultation between the sides in its first meeting likely to be convened shortly.

SHRIMATI SYEDA ANWARA TAIMUR: We are very happy that both the countries agreed to have 'Early Harvest Scheme' for economic cooperation, Now, as per the Ministers' meeting in Islamabad, they have agreed to set up a Joint Study Group. I would like to know whether it has been set up, and whether it is functioning. My second supplementary is, ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: First, let the Minister reply to the first supplementary. After that, you can put your second supplementary.

SHRI KAMAL NATH: Sir, in the meeting which I had with my colleague, the Commerce Minister of Pakistan, — I also had a meeting with President Musharraf and with the Prime Minister of Pakistan when he was here—we took a decision for the first time. Sir, in Islamabad, the Commerce Minister of Pakistan and I jointly announced that we would look at the Economic Cooperation Agreement between India and Pakistan, and, for that, a Joint Study Group has been formed. At the moment, it is very premature to have an Early Harvest Programme. But, our endeavour is to take the efforts forward, if Pakistan is willing — somehow, there seem to be some roadblocks coming from Pakistan because, Pakistan has not even given India the MFN status. But the first step forward was in this recent meeting I had with the Commerce Minister of Pakistan. We have announced an objective of economic cooperation agreement with the formation of a Joint Study Group, which is having its first meeting on the 25th, and I am sure that we will be able to move forward in something, which was not moving forward in the past.

SHRIMATI SYEDA ANWARA TAIMUR: Sir, I think for trade, bank is very much essential and it is agreed upon that in the two countries, on reciprocal basis, banks should be set up. Have you taken any steps in the direction of setting up banks in the two countries?

SHRI KAMAL NATH: Sir, as I said, it is not a question of whether we have taken any steps. The question is, what will Pakistan agree to. I think the very fact that we are working towards an economic cooperation agreement is a step forward in that direction. The Joint Study Group, when it meets, will be looking at the issue of goods will be looking at investment, will be looking at services. It is not just trade and goods; it is an economic cooperation agreement; banks also come into it and we will, obviously, pursue this in the Joint Study Group with Pakistan.

†**श्री शाहिद सिद्दिकी:** सर, जिस रोड पर माननीय मंत्री जी चल रहे हैं, it seens to be a road to nowhere. वे कछुए की चाल से चल रहे हैं। हम पाकिस्तान के पॉज़िटिव सिग्नल्स का कब तक इंतजार करेंगे, जबकि हजारों करोड़ का नुकसान हो रहा है। जो माल पाकिस्तान जाता है, अन्य कंट्रीज़ के ज़रिए, दुबई के ज़रिए, दूसरे इलाकों के ज़रिए उसको कंट्रोल करने के लिए तथा जो हमारा डयूटी का लॉस हो रहा है, उसको कंट्रोल में लाने के लिए फौरी तौर पर क्या स्टेप्स हो सकते हैं? हम हमेशा पाकिस्तान का इंतजार नहीं कर सकते, क्योंकि न नौ मन तेल होगा, न राधा नाचेगी।

شری شاہد صدیقی: سر، جس روڈ پر مانئے منتری جی چل رہے ہیں، it seems to be road to nowhere وہ کچھوے کی چال سے چل رہے ہیں۔ ہم پاکستان کے پوزیٹو سگنلس کا کب تک انتظار کریں گے، جبکہ ہزاروں کروڑ کا نقصان ہو رہا ہے۔ جو مال پاکستان جاتا ہے، دیگر کنٹریز کے ذریعے، دبئی کے ذریعے، دوسرے علاقوں کے ذریعے، اس کو کنٹرول کرنے کے لئے اور جو ہمارا ڈیوٹی کا لوس ہو رہا ہے، اس کو کنٹرول میں لانے کے لئے فوری طور پر کیا اسٹیپس ہو سکتے ہیں؟ ہم ہمیشہ پاکستان کا انتظار نہیں کر سکتے، کیونکہ نہ نو من تیل ہوگا، نہ رادھا ناچے گی۔

श्री कमल नाथ: अगर पाकिस्तान स्वीकार नहीं करता ...(व्यवधान)... यह तो पाकिस्तान के ऊपर है कि वह कितनी छूट देते हैं। उन्होंने ही अगर ...(व्यवधान)... हम उसमें क्या कर सकते हैं? यह तो पाकिस्तान कर सकता है। अगर वे नहीं करेंगे तो हम क्या करेंगे?

---

†Transliteration of Urdu Script.

श्री संजय निरुपम: वही तो वे कह रहे हैं कि जो लॉस ...(व्यवधान)...

†**श्री शाहिद सिद्दिकी:** जो माल जा रहा है, डयूटी का लॉस हो रहा है, उसको कंट्रोल करने के लिए क्या हो सकता है?

شری شاہد صدیقی: جو مال آ رہا ہے، ڈیوٹی کا لوس رہا ہے، اس کو کنٹرول کرنے کے لئے کیا ہو سکتا ہے؟

श्री कमल नाथ: किसको डयूटी का लॉस हो रहा है?

†**श्री शाहिद सिद्दिकी:** हमें हो रहा है।

شری شاہد صدیقی: ہمیں ہو رہا ہے۔

श्री कमल नाथ: हम तो भेज रहे हैं। हो रहा है तो पाकिस्तान को हो रहा है। यही बात तो आप नहीं समझ रहे। Sir, the total trade with Pakistan is 257 million dollars. It is reported that, trade that is being effected from India to Pakistan through third countries, could go up to one billion dollars. These are rough estimates, there are no scientific calculations on this. But Sir, it is necessary for Pakistan to take a step forward, and I think the first steps forward, यह कछुए की चाल नहीं है बल्कि पहली दफा यह कदम उठाया गया है जहां पाकिस्तान ने एक इकॉनॉमिक कोऑपरेशन को स्वीकार करने की इच्छा व्यक्त की है।

श्रीमती सुषमा स्वराज: आदरणीय उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से कहना चाहती हूं कि अभी आपने एक सवाल के जवाब में यह कहा कि पाकिस्तान ने हिन्दुस्तान को एमएफएन स्टेटस भी नहीं दिया है। क्या आपको यह जानकारी है कि एम॰एफ॰एन॰ स्टेटस न देने में एक बड़ी अड़चन एमएफएन का उर्दू तर्जुमा आ रहा है। मोस्ट फेवर्ड नेशन का उर्दू तर्जुमा होता है, सबसे पसंदीदा मुल्क। पाकिस्तान को सबसे ज्यादा मुश्किल यह आ रही है कि वह हिन्दुस्तान को सबसे पसंदीदा मुल्क कैसे कहे। इसलिए एम॰एफ॰एन॰ स्टेटस की बजाय अगर कोई दूसरा शब्द करके हम इसका पूरा लाभ उठा सकें, तो क्या इस पर आप विचार करेंगे?

†**प्रो॰ सैफुद्दीन सोज:** यह तर्जुमा सही नहीं है। हम तर्जुमा बता सकते हैं।...(व्यवधान)... यह तर्जुमा सही नहीं है।...(व्यवधान)...

شری سیف الدین سوز: یہ ترجمہ نہیں ہے۔ ہم ترجمہ بتا سکتے ہیں ..... مداخلت..... یہ ترجمہ صحیح نہیں ہے ..... مداخلت.....

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: वह कश्मीरी तर्जुमा है। वह चलेगा नहीं।....(व्यवधान)...

श्री कमल नाथ: सर, मोस्ट फेवर्ड नेशन नामकरण न पाकिस्तान ने किया है न हिन्दुस्तान ने किया है। यह तो एक इंटरनेशनल पार्लेंस सालों से चल रहा है – एम॰एफ॰एन॰। इसके नामकरण के

---

†Transliteration of Urdu Script.

संबंध में जो माननीय सदस्या ने कहा है कि शायद यही कारण हो कि उन्होंने अभी तक एम॰एफ॰एन॰ स्टेटस नहीं दिया है तो मैं माननीय सदस्या को आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूं कि जो हमारा सार्क का एग्रीमेंट हो रहा है, साफ्टा, का उसमें हमने गुड्स में एम॰एफ॰एन॰ स्टेटस पर न जाते हुए, ऐसे आइटम्ज़ रखें हैं जिनकी सूचना अगर माननीय सदस्या चाहेंगी तो मैं भेज दूंगा। थर्ड राउंड और फोर्थ राउंड में यह आइटम्स हमने identify किए हैं जहां एम॰एफ॰एन॰ का कोई रोल नहीं रहेगा। हमने और पाकिस्तान ने आपस में तय किया है कि इसका क्या ड्यूटी स्ट्रक्चर होगा।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Dr. M.S. Gill. Pointed questions, please.

श्री एम॰ एस॰ गिल: सर, मंत्री जी ने ग्रुप भी सेटअप कर दिया और आपस में बातचीत भी कर रहे हैं, लेकिन वे एक चीज़ को ध्यान में रखें, जैसा कि सब लोग जानते हैं - हम भी और जो सुन रहे हैं, वे भी, कि अगर मैं कह दूं-

''हमने माना कि तगाफुल न करोगे लेकिन

खाक हो जाएंगे हम जुल्फ के सर होने तक''

श्रीमती सुषमा स्वराज: गलत शेर क्यों पढ़ते हैं? ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: मंत्री जी, आप कुछ कहना चाहेंगे इस पर?

SHRI KAMAL NATH: I can only concede that I cannot compete with him in this *sher*. ...*(Interruptions)*...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सर, ये गलत शेर क्यों पढ़ते हैं? कम से कम शेर तो सही पढ़े। ...(व्यवधान)... अगर यहां शेर पढ़ें तो सही शेर पढ़ें।

''ये तो माना कि तगाफुल न करोगे लेकिन
खाक हो जाएंगे हम तुमको खबर होने तक।''

न कि जुल्फ के सर होने तक।

श्री उपसभापति: अहलुवालिया जी, पूछिए।

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: उपसभापति महोदय, जिधर देखिए उधर लोग दिल का दर्द लेकर घूम रहे हैं, शेरो-शायरी में चल रहा है ज़माना। पर हमारे पूर्व-पुरुषों की गलतियां हैं जो हमारे शरीर के दो हिस्से हुए पड़े हैं। मैं सियालकोट का रहने वाला हूं और यहां की नुमांदगी कर रहा हूं। मैं कहना चाहता था ...(व्यवधान)...

†**श्री शाहिद सिद्दिकी:** वहां के राष्ट्रपति यहां के रहने वाले हैं।

شری شاہد صدیقی: وہاں کے راشٹر پتی یہاں کے رہنے والے ہیں۔

†Transliteration of Urdu Script.

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: मैं कहना चाह रहा था ...(**व्यवधान**)... हां, यही तो बात है कि वे यहां के रहने वाले हैं और वहां के राष्ट्रपति बने हुए हैं। मैं यही कहना चाहता था कि भारत माता के दो टुकड़े हुए हैं और वह भी बुजुर्गों की गलतियों के कारण।

श्री उपसभापति: आप सवाल कीजिए।

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: कब सुधारेंगे हम? हम उन गलतियों को कब सुधारेंगे और Exclusive European Community ने जिसे तरह इकानॉमिक लाइन पर सोचकर, अपने पड़ोसी देशों से जो समझौता किया था, उस लाइन पर क्या भारत ने पाकिस्तान से समझौता करने की कोई पहल की है? अगर की है, तो उसमें पाकिस्तान का रवैया क्या है और क्या अड़चनें हैं, यह सदन को बताने की कृपा करें।

श्री कमल नाथ: सर, मैं तो केवल व्यापार की बात कर सकता हूं, बाकी ...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: एक्सक्लूसिव इकानॉमिक ...

श्री कमल नाथ: वही तो मैं कह रहा हूं। मैं और दूसरी चीज़ों में नहीं जाना चाहता पर माननीय सदस्य को मैं यह सूचित करना चाहता हूं कि अभी हाल ही में 22-23 नवंबर को इस्लामाबाद में जो बैठक हुई थी, उसमें मैंने पाकिस्तान के कॉमर्स मिनिस्टर हुमायुं अख्तर खान जी से बहुत लंबी चर्चा की और पाकिस्तान के राष्ट्रपति माननीय मुशर्रफ जी से भी मेरी बातचीत हुई। उनको भी मैंने यह बात कही कि हमारा regional engagement हो, इस बात की आज बहुत बड़ी आवश्यकता है। आज पूरे विश्व में ...(**व्यवधान**)...

डा॰ मुरली मनोहर जोशी: उपसभापति जी, मैं आपके माध्यम से कह रहा हूं कि पिछली बार भी इन्होंने यही जवाब दिया था। इसमें कुछ तो तरक्की होनी चाहिए।

श्री कमल नाथ: प्रॉब्लम यह है कि इनके पास और कोई प्रश्न रहा नहीं और वही प्रश्न ये बार-बार पूछते हैं। मैं इनकी तरह नहीं हूं। सर, मुझे तो इनको वही उत्तर देना पड़ेगा। ...(**व्यवधान**)...

डा॰ मुरली मनोहर जोशी: कम से कम जवाब में तो तरक्की कीजिए, वरना नंबर बहुत कम मिलेंगे।

श्री कमल नाथ: अगर आप कोई और प्रश्न पूछें तभी तो दूसरा जवाब आएगा। ...(**व्यवधान**)...

श्री नीलोत्पल बसु: सवाल में तरक्की होगी तभी तो जवाब में तरक्की होगी। ...(**व्यवधान**)...

डा॰ मुरली मनोहर जोशी: ये तो उससे पीछे जा रहे हैं।

श्री उपसभापति: प्लीज बैठिए। Let the Minister reply.

श्री कमल नाथ: सर, इन सब मीटिंग्ज़ के बाद मैंने कहा और मैं दोहराना चाहता हूं, मुरली

मनोहर जोशी जी के लिए, ताकि ये फिर से यह प्रश्न न पूछ लें कि पहली दफा आगे एक कदम बढ़ा है।...(व्यवधान)...

डॉ मुरली मनोहर जोशी: मैं तो अध्यापक हूं, बार-बार सवाल पूछूंगा, आपसे जवाब चाहता हूं।

श्री कमल नाथ: सर, पता नहीं इनको मेरा जवाब समझ नहीं आता या मुझे इनका प्रश्न समझ नहीं आता।...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: आपसे ज्यादा प्रेम हैं इन्हें।...(व्यवधान)...

श्री ललितभाई मेहता: जोशी जी तो आपके विभाग की पार्लियामेंटरी स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन हैं।

SHRI KAMAL NATH: Sir, I think, very important issues are being treated casually because हमारा आज जो व्यापार पाकिस्तान से, खासकर जो regional engagement की बात है, अब तो पूरे विश्व में यह प्रयास है कि regional trade engagements हों और यह हमारा प्रयास पाकिस्तान से भी है। हमें उम्मीद है कि पाकिस्तान भी इसमें अब आगे कदम बढ़ाएगा।

श्री कृपाल परमार: सर, मैं माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि भारत और पाकिस्तान के बीच जो आर्थिक सहयोग की बात चल रही है, यह तड़प दोनों तरफ से बराबर है या भारत कहीं एकतरफा मोहब्बत तो नहीं कर रहा? क्योंकि कहा जाता है कि:-

"इश्क इक-तरफा हो तो सज़ा देता है,

और दो-तरफा हो तो मज़ा लेता है।"

यह इश्क की आग दोनों तरफ से है या एक ही तरफ से?

श्री उपसभापति: शेरों-शायरी नहीं होगी। Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS

Reservation to SCs/STs and Physically Handicapped

*263. SHRI GANDHI AZAD: Will the Minister of SOCIAL JUSTICE AND EMPOWERMENT be pleased to state:

(a) whether the "All India Association for SCs/STs and Physically Handicapped Peoples Upliftment" has recently brought to the notice of